



"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070

Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58

Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com

Web : www.epch.in

## प्रेस विज्ञप्ति

### ईपीसीएच ने 19 जनवरी 2023 (गुरुवार) को नई दिल्ली में 'निर्यात बाजारों को एमएसएमई के लिए आसान बनाने' पर एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया

**नई दिल्ली- 19 जनवरी 2023-** हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने 19 जनवरी 2023 (गुरुवार) को नई दिल्ली में 'निर्यात बाजारों को एमएसएमई के लिए आसान बनाने' पर एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया।

श्री राज कुमार मल्होत्रा, अध्यक्ष - ईपीसीएच और अध्यक्ष, उत्तरी क्षेत्र - एफआईआईओ, श्री सौरभ गोयल, डिप्टी, डीजीएफटी, डीजीएफटी आरए नई दिल्ली; श्री रवि पासी, पूर्व अध्यक्ष, ईपीसीएच और संयोजक (उत्तरी क्षेत्र); सीए मनोज कुमार गोयल, मैनेजिंग पार्टनर, मेसर्स आरएचएमएस कंपनी; श्री गरिश मल्होत्रा के नेतृत्व में इंटरटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की टीम; श्री सौरभ श्रीवास्तव, एजीएम ईसीजीसी, नई दिल्ली, श्री विशाल ढींगरा, अध्यक्ष, सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए), नई दिल्ली; श्री अरशद मीर, सदस्य सीओए - ईपीसीएच और अध्यक्ष - हस्तशिल्प और कालीन क्षेत्र कौशल परिषद्; श्री प्रिंस मलिक, सदस्य सीओए - ईपीसीएच, श्री सिमरनदीप सिंह कोहली, सदस्य सीओए - ईपीसीएच; श्री राजेश रावत - अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक ईपीसीएच और नई दिल्ली के प्रमुख निर्यातक उपस्थित थे - श्री राकेश कुमार, महानिदेशक ईपीसीएच ने सूचित किया।

श्री राज कुमार मल्होत्रा अध्यक्ष - ईपीसीएच व उत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष - एफआईआईओ ने डीजीएफटी, ईसीजीसी, इंटरटेक, सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए), जीएसटी जैसी विभिन्न एजेंसियों के सभी वरिष्ठ अधिकारियों और दिल्ली के प्रमुख निर्यातकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार ईपीसीएच और एफआईआईओ ने संयुक्त रूप से आयोजित किया है ताकि निर्यातकों को ईसीजीसी, जीएसटी, डीजीएफटी, अंतरराष्ट्रीय अनुपालनों से जुड़े मुद्दों को हल करने में आसानी हो और उनके निर्यात में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि ईपीसीएच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित फैकल्टी के सहयोग से में सेमिनार आयोजित करने में हमेशा सबसे आगे रहा है।

श्री राज कुमार मल्होत्रा ने ये भी कहा कि हस्तशिल्प निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता और निर्यात अवसरों की एक विस्तृत रेंज तक पहुंच बनाने में अंतरराष्ट्रीय बाजार मानक और अनुपालन एक महत्वपूर्ण कारक बन रहे हैं। करीब 70 फीसद भारतीय हस्तशिल्प निर्यात के अनुपालन के प्रति जागरूक बाजारों में भेजे जाते हैं, और वैश्विक ब्रांड और खरीदार उन भारतीय निर्यातकों से ही ऑर्डर करना पसंद करते हैं जो यहां बेहतर कार्य परिस्थितियों, पर्यावरण अनुकूल कार्यक्षेत्र और मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करते हैं।

श्री आर. के. वर्मा, ईपीसीएच - कार्यकारी निदेशक ने बताया कि आज का सेमिनार ईपीसीएच ने आयोजित किया है ताकि दिल्ली के निर्यातकों को ईसीजीसी, डीजीएफटी, जीएसटी, अनुपालनों, परीक्षणों और गुणवत्ता से जुड़े मुद्दों को हल करने में मदद मिले और इस विश्व प्रसिद्ध भारतीय उत्पादन क्लस्टर से निर्यात को और बढ़ावा दिया जा सके। अपने बिजनेस को जांच व परीक्षण के साथ और अनुपालनों के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार करके निर्यातक अपने वर्तमान व्यवसाय को ही बहुत आगे ले जा सकते हैं, इससे उनकी घरेलू, ऑनलाइन और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ेगी।

ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष और संयोजक (उत्तर क्षेत्र) श्री रवि पासी ने कहा कि निर्यातकों के निर्यात भुगतान को सुरक्षित करने में ईसीजीसी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उन्हें दुनिया भर के बाजारों में निर्यात कर पाने का विश्वास दिलाता है।

श्री सौरभ गोयल, डिप्टी डीजीएफटी, डीजीएफटी आरए नई दिल्ली ने कहा कि डीजीएफटी योजनाओं और प्रोत्साहनों ने भारत के निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ब्याज समकरण योजना, ईपीसीजी योजना, एमएआई योजना, डीएफआईए जैसी अन्य योजनाएं निर्यातकों के लिए उपलब्ध हैं ताकि उन्हें अपना निर्यात बढ़ाने में मदद मिल सके। उन्होंने डाक निर्यात केंद्र, गुणवत्ता शिकायत और व्यापार विवाद समिति (सीक्यूसीटीडी) विवाद समाधान के लिए जैसी योजनाओं का भी उल्लेख किया।

इंटरटेक इंडिया के तकनीकी विशेषज्ञ श्री गरिश मल्होत्रा एवं उनके सहयोगियों ने एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया और बताया कि ये माना जाता है कि वैश्विक बाजार के लिए आवश्यक अनुपालन निर्यातकों पर काफी बड़ी रकम का बोझ डालती है, लेकिन यह बहुमूल्य निवेश वास्तव में निर्यात ऑर्डर प्राप्त करने, टर्नओवर और लाभ को बढ़ाने में काफी मददगार साबित होता है।

सीए मनोज कुमार गोयल ने आने वाले वर्षों में जीएसटी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए हाल के दिनों में किए गए नवीनतम संशोधनों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जीएसटी के अनुपालन की आवश्यकता पर बल दिया ताकि विभाग द्वारा जारी किए जाने वाले किसी भी नोटिस या दंड से बचा जा सके।

श्री सौरभ श्रीवास्तव- एजीएम, ईसीजीसी, नई दिल्ली ने ईसीजीसी की योजनाओं और निर्यातकों के लिए इसके मौजूदा लाभ पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया।

सोर्सिंग कंसल्टेंट्स एसोसिएशन (बीएए) के अध्यक्ष श्री विशाल ढींगरा ने कहा कि निर्यातक अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अनुपालन, जांच व परीक्षण की तैयारी करके अपने अपने वर्तमान बिजनेस को फायदा पहुंचा सकते हैं। इससे उन्हें अपनी घरेलू, ऑनलाइन और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को और बढ़ाने का मौका मिलेगा। उन्होंने ये भी कहा कि व्यापार का मूल कौशल सोर्सिंग है जिससे बाइंग एजेंट्स बातचीत करते हैं और निर्यातकों के साथ बिजनेस रिलेशन बनाते हैं। व्यापार का उद्देश्य अपने निर्यातकों को इस क्षेत्र विशेष के बारे में सभी ताजा बदलाव, जानकारियों से अवगत कराना भी है और उन्हें रणनीतिक सोर्सिंग की बारीकियों के बारे में शिक्षित भी करना है।

ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न गंतव्यों में भारतीय हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता के हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारतीय छवि को पेश करने वाली एक नोडल संस्था है। ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि साल 2021-22 के दौरान 33253.00 करोड़ रुपये (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निर्यात हुआ था जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% जबकि डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज की गई थी।

---

**विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:**

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक- ईसीपीएच:

+91- 9818272171



---

"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070

Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58

Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com

Web : www.epch.in

## **PRESS RELEASE**

### **EPCH Organised an Interactive Session on 'Facilitating MSMEs for Export Markets' at New Delhi on 19th January, 2023 (Thursday)**

**NEW DELHI – 19th JANUARY, 2023** – The Export Promotion Council for Handicrafts organised an Interactive Session on 'Facilitating MSMEs for Export Markets' at New Delhi on 19th January, 2023 (Thursday).

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman EPCH and Chairman, Northern Region – FIEO, Shri Saurabh Goyal, Deputy DGFT, DGFT RA New Delhi; Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); CA Manoj Kumar Goyal, Managing Partner, M/s RHMS Company; Team from Intertek India Pvt Ltd led by Shri Garish Malhotra; Shri Saurabh Srivastava, AGM ECGC, New Delhi, Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA), New Delhi; Shri Arshad Mir, Member COA – EPCH & Chairman - Handicrafts & Carpet Sector Skill Council; Shri Prince Malik, Member COA – EPCH, Shri Simrandeep Singh Kohli, Member COA – EPCH; Shri Rajesh Rawat – Addl. Executive Director EPCH and leading exporters from New Delhi were present – informed Shri Rakesh Kumar, Director General EPCH.

Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman EPCH and Chairman, Northern Region – FIEO welcomed all the senior officials from various agencies such as DGFT, ECGC, Intertek, Sourcing Consultants Association (BAA), GST and the leading exporters from Delhi. He informed that today's seminar organized jointly by EPCH and FIEO facilitated the exporters to address their issues related to ECGC, GST, DGFT, international compliances for boosting exports. EPCH has always been at the forefront of organizing awareness-raising seminars led by expert faculty across India.

Shri Malhotra further added that international market standards and compliance are becoming a key factor in the competitiveness of Handicraft exports and access to a wide range of export opportunities. About 70% of India's handicraft exports are destined for compliance-conscious markets, and global brands and buyers prefer to order with Indian suppliers that comply with better working conditions, environment friendly workplace and production standards.

Shri R. K. Verma, Executive Director - EPCH informed that today's seminar organized jointly by EPCH and FIEO facilitated the exporters from Delhi to address their issues related to ECGC, DGFT, compliance, testing and quality for further boosting exports from this world-famous Indian production clusters. By making their businesses ready for Compliance, Inspection and Testing according to International Standards, the exporters can give upper edge to their present business to increase domestic, online and international presence.

Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region), said ECGC plays a very important role in securing the export payments of the exporters thus giving confidence to them to explore markets across the globe.

Shri Saurabh Goyal, Deputy DGFT, DGFT RA New Delhi said that DGFT schemes & incentives have played a pivotal role in promotion of India's exports. Schemes like Interest Equalisation Scheme, EPCG scheme, MAI scheme, DFIA other schemes are available for exporters to help them increase their exports. He also referred to schemes like Dak Niryat Kendra scheme, Committee on Quality Complaints and trade disputes (CQCTD) for dispute resolution.

Shri Garish Malhotra, the technical experts from Intertek India made detailed presentation and informed; it is believed that compliance requirement for global market also adds a significant cost burden on manufacturers, but this valuable investment actually helps to win export orders, increase turnover and profitability.

CA Manoj Kumar Goyal informed about the latest amendments undertaken in recent past to make the GST ecosystem robust in the years ahead. He stressed the need to be GST compliant so as to avoid any notices or penalties issued by the department.

Shri Saurabh Srivastava – AGM, ECGC, New Delhi made detailed presentation on the ECGC's schemes and benefits available to exporters.

Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA) informed exporters can give their current business an advantage by preparing for compliance, inspection, and testing in accordance with international standards. This will allow them to expand their domestic, online, and international presence. He further said, the fundamental skill of the trade is sourcing, or the process by which buying agents interact and establish business relationships with product suppliers. The trade also aims to keep its exporters informed of any recent developments in the sector and educate them on the nuances of strategic sourcing.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

-----  
For more information please contact:  
Shri Rakesh Kumar, Director General– EPCH:  
+91- 9818272171

Hindi & English with Photos Enclosed:



PHOTO 1 – Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH addressing the august gathering of member exporters along with Shri Saurabh Goyal, Deputy DGFT, DGFT RA New Delhi; Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); Shri Saurabh Srivastava, AGM ECGC, New Delhi, Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA), New Delhi; Shri Prince Malik, Member COA – EPCH; Shri Simrandeep Singh Kohli, Member COA – EPCH during an Interactive Session on 'Facilitating MSMEs for Export Markets' at New Delhi Today (On 19th January, 2023).





Photo 2 – Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director, EPCH welcoming the dignitaries on the dias namely Shri Raj Kumar Malhotra, Chairman – EPCH; Shri Saurabh Goyal, Deputy DGFT, DGFT RA New Delhi; Shri Ravi Passi, Past Chairman, EPCH and Convenor (Northern Region); Shri Saurabh Srivastava, AGM ECGC, New Delhi, Shri Vishal Dhingra, Chairman, Sourcing Consultants Association (BAA), New Delhi; Shri Prince Malik, Member COA – EPCH; Shri Simrandeep Singh Kohli, Member COA – EPCH during an Interactive Session on 'Facilitating MSMEs for Export Markets' at New Delhi Today (On 19th January, 2023).



Photo 3 – A view of participants of seminar